**587. 'मुण्डीयार री ख्यात' का विषय है–**

(a) बुन्दी के हाड़ा (b) मेवाड़ के सिसोदिया
(c) आमेर के कछवाहा (d) मारवाड़ के राठौड़

**MOTAR VAHAN UPNIRIKSHAN 2011**

**Ans. (d) :** 'मुण्डीयार री ख्यात' दयालदास की रचना है। इसमें मारवाड़ (बीकानेर) के मुगलों के साथ संबंधों, सभी शासकों के जन्म, राज्याभिषेक इत्यादि का ऐतिहासिक विवरण मिलता है। दयालदास री ख्यात में बीकानेर राज्य का इतिहास वर्णित है।

**588. 'मुण्डीयार री ख्यात' में मुख्य रूप से किस राज्य के शासकों का वर्णन किया गया है?**

(a) बीकानेर (b) मारवाड़
(c) कोटा (d) मेवाड़

**सहायक अग्निशमन अधिकारी (एएफओ) -2021**

**Ans. (b) –** उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

**589. दयालदास री ख्यात में प्रमुखतः किस राज्य का इतिहास वर्णित है?**

(a) जोधपुर (b) जैसलमेर
(c) बीकानेर (d) डूंगरपुर

**उद्योग प्रसार अधिकारी -2018**

**RPSC College Lecturer (Sanskrit Education) 2022**

**Ans. (c) :** उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

**590. निम्न में से कौनसा क्षेत्र मीरा पुरस्कार से संबंधित है?**

(a) साहित्य (b) गायन
(c) चित्रण (d) हस्तशिल्प

**I.A. 2018**

**Ans. (a) :** मीरा पुरस्कार साहित्य क्षेत्र से संबंधित है। यह पुरस्कार राजस्थान साहित्य अकादमी का सर्वोच्च पुरस्कार है। राजस्थान साहित्य अकादमी की स्थापना 28 जनवरी, 1958 ई. को राज्य सरकार द्वारा एक शासकीय इकाई के रूप में की गयी। प्रथम मीरा पुरस्कार डॉ. रामानंद तिवारी को दिया गया।

**591. 'हूँ गोरी किण पीव री' उपन्यास के रचयिता हैं-**

(a) विजयदान देथा
(b) यादवेन्द्र शर्मा 'चन्द्र'
(c) रांगेय राघव
(d) श्रीलाल नथमल

**कनिष्ठ अभियंता (सिविल) (डिग्रीधारक)-18.05.2022**

**Ans. (b) :** 'हूँ गोरी किण पीव री' उपन्यास के रचयिता यादवेंद्र शर्मा 'चंद्र' हैं। इसका प्रकाशन राजस्थानी ग्रंथाकार,जोधपुर से हुआ है। इनकी अन्य रचनाएँ, 'खम्भा अन्नदाता', 'मिट्टी का कलंक' तथा 'हजार घोड़ों पर सवार' आदि हैं।

**592. 'हार्टबीट ऑफ राजस्थान-रहीस भारती एंड धोद' पुस्तक के लेखक हैं-**

(a) मार्टिन ले कोज
(b) फ्रांसिस ले कोज
(c) गोविन्द प्रसाद शर्मा
(d) एच.ई.इमेन्युएल

**Varisht Computer Anudeshak -19.06.2022**

**Ans. (a) :** हार्टबीट ऑफ राजस्थान-रहीस भारती एण्ड धोद पुस्तक फ्रेंच लेखक मार्टिन ले कोज हैं। यह पुस्तक रहीस भारती को समर्पित है। श्री रहीस भारती ने राजस्थानी लोककला को वैश्विक मंचों तक पहुँचाया है। इसमें रहीस भारती की राजस्थान से फ्रांस तक की यात्रा का विवरण हैं।

**593. 'बुद्धिविलास' किसने लिखा?**

(a) बालमुकुन्द (b) बखतराम
(c) बुद्धिप्रकाश (d) बालचन्द

**सेकेण्ड ग्रेड-संस्कृत शिक्षा-17.02.2019**

**Varisht Computer Anudeshak -19.06.2022**

**Ans. (b) :** बुद्धिविलास ग्रंथ की रचना बखतराम शाह ने किया है। इस ग्रंथ में जयपुर के कछवास राजवंश का इतिहास वर्णित है।

**594. 'सोशल लाईफ इन मेडिवल राजस्थान' किसने लिखी?**

(a) जी.एन. शर्मा (b) दशरथ शर्मा
(c) वी.के. वशिष्ठ (d) जी.एच. ओझा

**कनिष्ठ अभियंता (कृषि) सीधी भर्ती परीक्षा-10.09.2022**

**Ans. (a ) –** 'सोशल लाइफ इन मेडिवल राजस्थान' नामक पुस्तक राजस्थान के प्रसिद्ध इतिहासकार डॉ. जी. एन. शर्मा की विद्वतापूर्ण कृति है। इस पुस्तक में मध्यकालीन राजस्थान में प्रचलित धार्मिक, आर्थिक और साहित्यिक (शिक्षा) स्थितियों पर महत्वपूर्ण प्रकाश डाला गया है।

**595. बीसलदेव रासो की मुख्य महिला पात्र निम्न में से कौन-सी है?**

(a) इन्दुमति (b) पद्मिनी
(c) राजमति (d) देवल देवी

**कनिष्ठ अभियंता (कृषि) सीधी भर्ती परीक्षा-10.09.2022**

**Ans. (c ) –** अजमेर शासक बीसलदेव के आश्रित कवि नरपति नाल्ह द्वारा रचित 'बीसल देव रासो' के कथानक में बीसलदेव रासो ने अपनी रानी राजमती से रुठ कर उड़ीसा की ओर यात्रा करने जाने से रानी के विरह वेदना का तथा बीसलदेव के पुनः अजमेर आने का वर्णन किया गया है। इसमें श्रृंगार रस के साथ संयोग-वियोग का सुंदर वर्णन है।

**596. 'रागमाला' किसके द्वारा रची गई है?**

(a) पुंडरीक विट्ठल (b) कुम्भा
(c) उस्ताद चाँद खान (d) पंडित भावभट्ट

**कनिष्ठ अभियंता (कृषि) सीधी भर्ती परीक्षा-10.09.2022**

**Ans. (a ) –** पुंडरीक विट्ठल द्वारा 'रागमाला' की रचना की गई। पुण्डरीक विट्ठल भारतीय संगीत के एक प्रसिद्ध गायक और संगीतज्ञ थे। राजपूत राजा मानसिंह ने इन्हें संरक्षण प्रदान किया था। पुंडरीक विट्ठल ने संगीत से सम्बन्धित 'सद्राग- चंद्रोदय' नामक ग्रन्थ की रचना की थी। इनके अनुसार राजपूतों के चारवंश प्रतिहार, परमार चालुक्य और चौहान थे।

**597. 'पृथ्वीराज विजय' के लेखक थे-**

(a) जयानक (b) मुहणौत नैणसी
(c) सूर्यमल्ल मिश्रण (d) चन्दरबरदाई

**पशुधन सहायक भर्ती परीक्षा-2018**

**Ans. (a) –** 'पृथ्वीराजविजयमहाकाव्यम्' संस्कृत महाकाव्य है। इसे हिन्दी में 'पृथ्वीराज विजय महाकाव्य' भी कहा जाता है। इसमें तारावड़ी के प्रथम युद्ध की विजय का वर्णन है। इसकी रचना जयानक नामक कश्मीरी कवि ने किया था। इस ग्रंथ के माध्यम से पृथ्वीराज तृतीय के विषय में जानकारी मिलती है।

**598. जयानक ने कौन सी कृति की रचना की?**

(a) पृथ्वीराज विजय (b) पृथ्वीराज रासो
(c) हमीर रासो (d) हमीर हठ

**कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल) संयुक्त भर्ती परीक्षा-2020**

**Ans. (a) –** उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।